उपलब्धि | 13 साल में 83 रिसर्च पर पेटेंट लेने के लिए आवेदन कर चुका है आईआईटी, 13 पेटेंट हुए प्राप्त

फिंगरप्रिंट से फ्रॉड रोकने और इलेक्ट्रिक वाहनों को बेहतर करनेवाली IIT की 2 रिसर्च को पेटेंट

अभिषेक दुबे. इंदौर

नया साल शुरू हुए अभी सिर्फ 44 दिन ही हुए हैं और आईआईटी इंदौर ने अपने नाम 2 और नए पेटेंट दर्ज करा लिए हैं। सोमवार को दर्ज हुए इन दो पेटेंट के पहले 9 फरवरी को भी आईआईटी के नाम 1 पेटेंट दर्ज हुआ था। आईआईटी अब तक 83 रिसर्च पर पेटेंट लेने के लिए आवेदन कर चुका है, जिसमें से इंदौर के नाम कुल 13 पेटेंट दर्ज हो चुके हैं। इस संस्थान ने 2020 और 2021 में 17 पेटेंट लेने के लिए आवेदन किया है। खास बात यह है कि जिस समय देश में महामारी फैली हुई थी उस समय भी यहां की टीम ने अपना शोध कार्य लगातार जारी रखते हए विभिन्न विषयों में 11 पेटेंट दर्ज कराए हैं। सोमवार को दो पेटेंट मिले आईआईटी इंदौर को।







प्रो. विमल भाटिया

मेथड हाई ट-डायमेंशनल इलेक्टॉन हेटोस्टक्चर पर मिला है। शोध में शामिल प्रो. व पीएचडी स्टूडेंट आरिफ खान और रोहित सिंह हैं। प्रो. मुखर्जी ने बताया कि जिंक ऑक्साइड हेटरो-स्टक्चर देने वाले उच्च द्वि- आयामी में भारत को गति मिलेगी।

इलेक्ट्रॉन गैस घनत्व के निर्माण की विधि पर काम किया है। नवीन गैस निर्माण तकनीक अगली पीढी के डेंसिटी वेल्डिंग जिंक ऑक्साइड इलेक्टिक वाहनों में 5 जी- 6जी संचार को बेहतर करेगा। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भी शैबल मुखर्जी, प्रो. अभिनव क्रांति इसका उपयोग हो सकेगा। इससे मेक इन इंडिया, नीति आयोग, जीरो एमिशन व्हीकल, आत्मनिर्भर भारत और डिजिटल इंडिया के क्षेत्र

सरा पेटेंट चोरी रोकने के कि अक्सर धोखाधड़ी के लिए लिए फिंगरप्रिंट बायोमेट्रिक व्यक्ति के फिंगर प्रिंट की कॉपी कर सिस्टम के लिए मिला है। इसके और आईआईटी इंदौर के प्रो. विमल भाटिया और प्रो. शशि प्रकाश हैं। ऐसी प्रणाली बनाई है जिससे फिंगरप्रिंट मशीनों को ज्यादा सुरक्षित बनाया जा सकेगा। प्रो. शशि प्रकाश ने बताया

फर्जीवाडा किया जाता है। हमने आविष्कारक डॉ. अमित चटर्जी ऐसा सिस्टम तैयार किया, जिसमें पेटेंट 2 बायोमीट्रक के दारान हाथ के प्रिंट के साथ ही लेजर डीएवीवी के आईईटी विभाग के लाइट हाथ पर रिफलैक्ट करेगी। इससे पता चलेगा कि यह फिंगर प्रिंट सही हैं या गलत। यह तक पता चलेगा कि जिसका बायोमेटिक हो रहा है वह जीवित है या नहीं।